Hindi Murli Quiz 31-01-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **उल्टा-सुलटा काम क्यों होता है ?**

A. बाप की श्रीमत पर नहीं चलते
B. याद नहीं करते
C. निश्चय पूरा नहीं है
D. पुराने संस्कारों के वश हो जाते हो

Q.2) **याद में रहने वालों की निशानी बताइए |**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. पहले नंबर में जायेंगे
B. ख़ुशी में प्रफुल्लित
C. मोस्ट लवली

Q.3) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -**

A. प्रदर्शनी में तो कोई भी जाकर समझा सकता है | तुम प्रदर्शनी जास्ती करते रहो |
B. चलते-फिरते बाप को याद नहीं करेंगे तो पापों का बोझा कैसे उतरेगा? पूरे कल्प का बोझा है ।
C. किसको समझाने की भी बड़ी अच्छी बुद्धि चाहिए । हम तो भारत की महिमा करते हैं ।
D. जिसकी तकदीर में जो है, जो जितना पुरूषार्थ करते हैं वह देखने में तो आता है ।

Explanation: चलते-फिरते बाप को याद नहीं करेंगे तो पापों का बोझा कैसे उतरेगा? आधाकल्प का बोझा है । जो खुद ही काँटा होगा तो फूल कैसे बनायेगा? प्रदर्शनी मे भी बड़ी खबरदारी से किसको भेजना होता है ।

Q.4) **कौन मूंझ सकते हैं ?**

A. जो बाप को अच्छी रीति याद नहीं करते
B. जो समझते हैं कि यह मनुष्य मत है
C. जो ड्रामा को पूरा नहीं जानते
D. जो श्रीमत पर पूरा नहीं चलते

Q.5) **माया के झमेलों से घबराने के बजाए परमात्म मेले का मौज मनाते रहो ।**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.6) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	थोड़ा ज्ञान	देह- अभिमान
B	भारत	फूलों का बगीचा
C	प्रजापिता ब्रह्मा	हाइएस्ट अथॉरिटी
D	ध्यान	न ज्ञान, न याद
E	ड्रामा वन्डरफुल	बहुत थोड़े इस नशे में रहते हैं
F	चार्ट	समझते नहीं

Q.7) **तुम्हें यह ज्ञान सिखलाया जाता है , भक्ति कोई सीखी नहीं जाती |**

A. False
B. True

Explanation: एक सतगुरु के सिवाए सद्गति दाता और कोई हो नहीं सकता । बाकी भक्ति सिखलाने वाले तो ढेर गुरू है ।

Q.8) **___ में ही विजय है |**

- **A.** पुरुषार्थ
- **B.** महाभारत
- **C.** अच्छी रीति समझाने
- **D.** याद
- **E.** निश्चय

Q.9) **जैसे सारे वृक्ष का सार बीज में होता है ऐसे संकल्प रूपी बीज हर आत्मा के प्रति, प्रकृति के प्रति शुभ भावना वाला हो । सर्व को बाप समान बनाने की भावना | दुखी अशान्त आत्मा को सदा सुखी शान्त बनाने की भावना का रस वा सार हर संकल्प में भरा हुआ हो, कोई भी संकल्प रूपी बीज इस सार से खाली अर्थात् व्यर्थ न हो, कल्याण की भावना से समर्थ हो तब कहेंगे बाप समान विश्व कल्याणकारी आत्मा ।**

- **A.** False / ये वाक्य गलत है
- **B.** True / ये वाक्य सही है

Q.10) **कौन श्रीमत पर चल सकेंगे ?**

- **A.** जो अच्छी रीति याद करेंगे
- **B.** जो अच्छी रीति पढाई करेंगे
- **C.** जो ज्ञान की धारणा करेंगे